सुन नाथ अरज़ अब मेरी मैं शरण पड़ा प्रभु तेरी

सुन नाथ अरज अब मेरी,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

तुम मानुष तन मोहे दीन्हा,
भजन नही तुम्हरौ कीन्हा,
विषयों ने लई मति घेरी ,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

सुत दारादिक यह परिवारा,
सब स्वारथ का है संसारा,
जिन हेतु पाप किये ढेरी,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

माया में ये जीव भुलाना ,
रूप नही पर तुम्हरौ जाना ,
पड़ा जन्म मरण की फेरी,
में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

भवसागर में नीर अपारा ,
मोहे कृपालु प्रभु कर उबारा ,
ब्रह्मानंद करो नही देरी ,

में शरण पड़ा प्रभु तेरी ,

Source:
https://www.bharattemples.com/sun-nath-raaz-ab-meri-mein-sharan-pada-prabhu-teri/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw